विचार बिन्दु

उपदेश देना सरल है, उपाय बताना कठिन है। –टैगोर

जलवायु परिवर्तन के प्रति मानसिकता में उदासीनता क्यों?

जलवायु परिवर्तन की तीव्र गति और वर्तमान में मौसम के तेज बदलाव एवं अनिश्चितता के कारण ठंडी-गर्मी का एहसास प्रतिदिन देखने में आ रहा है। अत्यधिक वर्षा एवम बाढ की त्रासदी एवं मौसम की भविष्यवाणी रोज हमें आगाह करती है कि हम जलवायु परिवर्तन के प्रति उदासीन नहीं रह सकते । दूसरी ओर, संयुक्त राष्ट्र के जलवायु परिवर्तन के बारे में गठित पैनल ने एक चेतावनी प्रस्तुत की है कि यदि समय रहते हमने तापमान की वृद्धि 1.5 डिग्री तक सीमित करने की दिशा में शीघ्र कदम नहीं उठाया तो फिर हमारे लिए अवसर खिड़की बंद हो जाएगी और हम तापमान को नियंत्रित नहीं कर पाएंगे।

इसलिए आवश्यक है विश्व के सभी देश मिलकर इस ओर कदम उठाएं। जलवायु के परिवर्तन को टालना लगभग असंभव है किंतु विश्व की मुख्यधारा में सभी देश संयुक्त रूप से कदम उठाएं और समय रहते कार्य संपन्न करने से कुछ सीमा तक जलवायु परिवर्तन की विभीषिका से बच सकेंगे। यक्ष प्रश्न यह है कि हम दिन-प्रति दिन जलवायु परिवर्तन के लिये उदासीन क्यों हैं? ऐसा लगता है कि हमारे मस्तिष्क पर इसका कोई असर नहीं हो रहा है अत: हम इसके लिए आवश्यक कदम व्यक्तिगत स्तर पर उठाने के लिए मजबूर नहीं है!

यह स्पष्ट है के जलवायु परिवर्तन के खतरे को हम रोज झेलने को तैयार रहते हैं लेकिन भविष्य में इसे कैसे रोका जाए इसके लिए कोई कदम उठाने के लिए तैयार नहीं। यह एक विरोधाभास है खतरे का आभास होते हुए भी इसके लिए व्यक्तिगत स्तर पर हम सोचने का प्रयास नहीं करते।

हाल ही में एक पुस्तक प्रकाशित हुई है जिसका शीर्षक है 'माइंडिंग द क्लाइमेट'। लेखिका ऐन क्रिश्टीन दुहामे (जो हार्वर्ड में न्यूरो सर्जरी की प्रोफेसर हैं) ने बताया है कि आज हमारा व्यवहार इस प्रकार परिवर्तित हो गया है कि हम केवल एक अच्छे इनाम या आशा के अनुरूप बदलते हैं अन्यथा तत्काल कोई लाभ न होने से हम अपनी आदतों को नहीं बदलते। केवल सूचना देने से व्यवहार में परिवर्तन नहीं आता क्योंकि हम अपनी आदत से बाज नहीं आते।

आज की व्यवस्था में पर्यावरण के चुनौतियों का सामना हम करने की स्थिति में नहीं है। खतरे की घंटी जानकर शायद धीरे-धीरे अब बदलाव की ओर बढ़ रहे हैं किंतु अभी तक हम शारीरिक रूप से कार्बनडाइऑक्साइड के उत्सर्जन के एहसास के प्रति सजग नहीं है। जब तक इसे हम व्यक्तिगत खतरा नहीं मानते, सामाजिक स्तर पर बदलाव लाना मुश्किल होगा। यह भी स्पष्ट है कि बदलाव के लिए रिसर्च अभी केंद्रित नहीं है। किस प्रकार सोच बदली जा सकेगी इसके लिए कोई रिसर्च की तस्वीर नहीं है।

विश्व के सभी देश मिलकर इस ओर कदम उठाएं। जलवायु के परिवर्तन को टालना लगभग असंभव है किंतु विश्व की मुख्यधारा में सभी देश संयुक्त रूप से कदम उठाएं और समय रहते कार्य संपन्न करने से कुछ सीमा तक जलवायु परिवर्तन की विभीषिका से बच सकेंगे।

ग्रीनहाउस गैसेस अदृश्य हैं इसी कारण मस्तिष्क के एक स्टडी का निष्कर्ष निकला है जो उपभोक्ता की मानसिकता में झलकता है। पर्यावरण से मस्तिष्क में क्या असर पड़ता है और उपभोक्ता की मानसिकता में क्या अंतर आ सकता है इसके लिए अध्ययन के निष्कर्ष में पाया गया है कि अभी वह बदलाव के लिए तैयार नहीं है। हम मार्गदर्शन के रुप में उसको प्रोत्साहत करने एवं उसे कुछ लाभ देने के लिए अध्ययन कर सकते हैं।

हार्वर्ड अस्पताल के एक रिसर्च मे पाया गया कि जो मरीज हरे पेड़ों को खिड़की से देखते हैं अधिक जल्दी स्वास्थ्य लाभ करते हैं, मुकाबले उनके जो केवल अस्पताल के बाहर की दीवारों को देख पाते हैं। इस प्रकार मरीजों को जिस प्रकार का लाभ हुआ और हो सकता है उस बदलाव के लिए तुरंत उपाय एवं क्षमता प्राप्त करने के लिए प्रयास होना चाहिए जो कि वर्तमान में नहीं हो रहा है।

वर्तमान में हमारा मस्तिष्क सोशल मीडिया एवं टीवी आदि के कार्यक्रमों में इतना व्यस्त और मशगूल रहता है कि हम खतरों को सोचने-समझने के लिए समय भी नही निकाल पाते और हम विचारों-समाचारों की भीड़ में तमाशा स्वयं बन कर रह जाते हैं। सोचने-समझने की शक्ति के लिए बहुत कम समय बचा है। योग आदि से मानसिकता में कुछ बदलाव आ रहा है और इसमें समय लगेगा ।

फिल्म बनाने वालों के मन में कोई इस प्रकार का सक्रिय विचार नहीं आया है कि पर्यावरण परिवर्तन एवं जलवायु की विभीषिकाओं के प्रति फिल्म बनाने के लिए प्रेरणा मिल सके ।

समय आ गया है कि देश के नेताओं को जागृत किया जाए? कौन करेगा ?

दूसरी ओर, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अब तक जो प्रगति हुई है उसे संतोषजनक नहीं कहा जा सकता है। अभी हाल ही में बोन, जर्मनी में संयुक्त राष्ट्र की एक समिति की बैठक हुई जो 5 से 15 जून तक थी। आगामी दिसंबर में होने वाली यूएई में बैठक (COP28) के लिये 10 दिन में केवल एजेंडा या कार्य सूची तय करने में लगा। यह तय नहीं हो पाया कि जो फंड जलवायु परिवर्तन से सर्वाधिक पीड़ित देशों के लिए उपलब्ध कराया जाएगा वह किस प्रकार और किसके द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा। अधिक संभावना के खतरों के वाले देशों के लिए अलग से फंड कायम करना जरूरी है किंतु तय नहीं हो पाया कि किस प्रकार कौन से देश यह धन उपलब्ध करेगे?

उपरोक्त स्थिति में ऐसा प्रतीत होता है कि जब तक जन आंदोलन का रूप जलवायु परिवर्तन की विभीषिका की सम्भावना नहीं ले लेती तब तक व्यक्तिगत स्तर पर एहसास होना जरूरी होगा। हमें खतरे का आभास बराबर अखबारों से एवं आए दिन खतरे की घंटी बाढ एवं सूखे की स्थिति से आगाह और रूबरू होना पड़ता है लेकिन फिर भी हम क्यों नहीं जाग रहे हैं। मानसिकता में उदासीनता क्यों है इसका अध्ययन करना बहुत जरूरी है। उस पर प्रकाश डालना और रिसर्च की आवश्यकता है?

निष्कर्षत: आज जलवायु परिवर्तन पर प्रत्येक स्तर पर बहस एवं सार्थक कार्यवाही की जरूरत है अन्यथा बहुत देर हो चुकी होगी जबकि पहले से ही 1.5 डिग्री तापमान में बढ़ोतरी हो चुकी है और इससे आगे के खतरे की संभावना बनी हुई है। क्या हम ऐसा कर पाएंगे? यह समय बताएगा, फिर भी हमें एक-दूसरे को सजग रहने के लिए प्रयत्न करना होगा । परिवार मे भी हमें यह बहस करनी चाहिए।

सरकार को विशेष रुप से ध्यान देना होगा और केवल वोटों की राजनीति से हटकर इस पर सरकार को सोचने के लिए मजबूर करने के लिए यदि आंदोलन करना पड़े हमें उसे करना चाहिए।

–आई.सी. श्रीवास्तव,
(आई.ए.एस. से.नि.)

राशिफल गुरूवार 13 जुलाई, 2023

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, एकादशी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2080, श्रवण नक्षत्र प्रात: 7:35 तक, साध्य योग प्रात: 6:31 तक, वणिज करण प्रात: 10:00 तक, चन्द्रमा सांय 6:43 से कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-मकर, मंगल-मिथुन, बुध-मेष, गुरू-मीन, शुक्र-वृष, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज भद्रा दिन 10:00 से रात्रि 20:45 तक रहेगी। पंचक सांय 6:43 से आरम्भ होंगे। आज वैशाखादि (बंगाल), माघ बिहु (आसाम) है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:41 से 9:16 तक, चर 12:27 से 2:02 तक, लाभ-अमृत 2:02 से 5:12 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:07, सूर्यास्त 6:47

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

सिंह
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। मन का भय समाप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी।

धनु
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

वृष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

तुला
परिवार के कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक विवादों से राहत मिल सकती है।

कुंभ
अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। व्यक्तिगत पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

कर्क
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

मीन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

अच्छा साहित्य समाज के लिए प्रेरणादायी एवं दूरदर्शी कदम है : ओम बिरला

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने प्रणवीर प्रताप पुस्तक का विमोचन किया

उदयपुर, (निसं)। महाराणा प्रताप का सामाजिक सरोकार, वैज्ञानिक, आर्थिक दूरदर्शिता के अप्रकाशित दुर्लभ तथ्यों को जल शोधन, जस्ता प्रगलन विधि, संघर्ष काल व्युह रचना जैसे अनेक उदाहरणों से वर्तमान परिस्थितियों में उपयोगिता को समझाने वाली, डॉ. शिवदान सिंह जोलावास द्वारा लिखित अनूठी पुस्तक प्रणवीर प्रतापका लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा विमोचन किया।

अमी संस्थान द्वारा प्रकाशित पुस्तक प्रणवीर प्रतापमें लेखक डॉ. शिवदान सिंह जोलावास ने महाराणा प्रताप के जीवन के अनछुए पहलुओं, विराट जीवन चरित्र जिसकी वर्तमान प्रासंगिक परिस्थितियों में विद्यार्थियों, आमजन के लिए उपादेयता को पहुंचाने के लिए इसमें नाटक, कविता, लेख एवं शोध पत्रों का समावेश किया गया है।

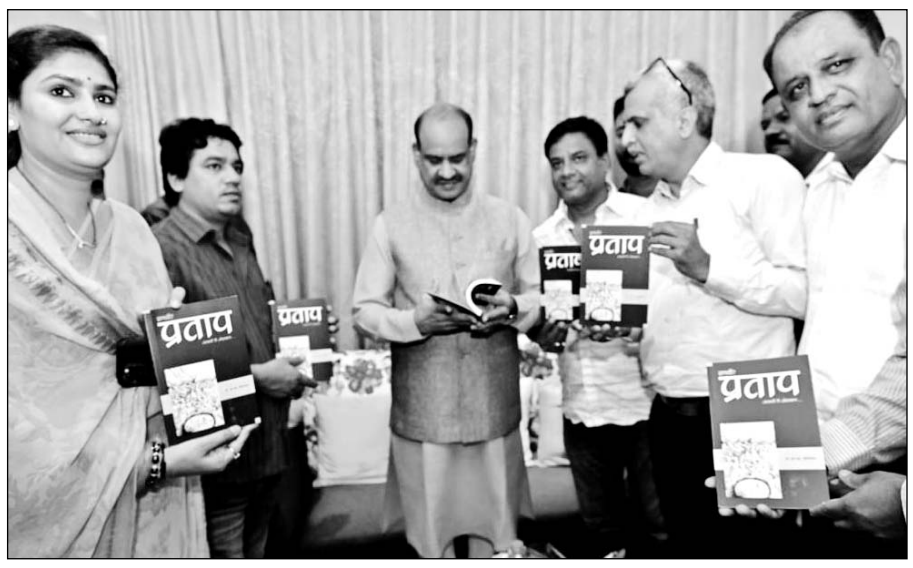

पुस्तक प्रणवीर प्रताप का लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विमोचन किया।

- **'पुस्तक की एक हजार प्रतियां विदेशों में रह रहे प्रवासी राजस्थानीयों में वितरित की जाएगी'**

पुस्तक की भाषा हिंदी, अंग्रेजी तथा राजस्थानी होने से यह सभी वर्ग के लिए सरल रूप में उपलब्ध है। इसमें महाराणा प्रताप के परिवार की, संघर्ष के दौरान सहयोग भूमिका पर प्रकाश डाला गया है। मेवाड के तेजोमय संस्कृति में प्रतापी चेतना को दर्शाने वाली प्रणवीर प्रताप का विमोचन करते बिडला ने कहा कि अच्छा साहित्य समाज के लिए प्रेरणादाई एवं दूरदर्शी कदम है, अमी संस्थान द्वारा इस तरह का साहित्य प्रकाशित कर एक रचनात्मक कार्य किया है। अमी संस्थान उपाध्यक्ष योगेश कुमावत ने बताया कि महाराणा प्रताप को स्वतंत्र समर के अपराजित योद्धा एवं युद्ध तक सीमित कर दिया गया हमारा उद्देश्य नई शिक्षा नीति के अनुरूप महान नायकों के चरित्र को युवा पीढी तक पहुंचाने का है। पुस्तक में प्रताप कालीन शस्त्रागार, आर्थिक संपन्नता के स्त्रोत, प्रकृति संरक्षण, जल प्रबंधन, कला के विविध आयाम एवं रचनात्मक सृजन को देश-विदेश तक पहुंचाना है। राजस्थान एसोसिएशन कीनिया चेयरमैन बागेन्द्र बागडा ने बताया कि पुस्तक की एक हजार प्रतियां विदेशों में रह रहे प्रवासी राजस्थानीयों में वितरित की जाएगी। विमोचन अवसर पर समाजसेवी देवी सिंह फिला, विधायक राजसमंद दीप्ति महेश्वरी, महिला मोर्चा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ अलका मूंदडा, मोटियार परिषद संभाग पाटवी राहुल सिंह भाटी, राज उजास सह सचिव विक्रम सिंह एवं शिक्षा सेवी गोविंद दीक्षित तथा राहुल कुमावत कई सहित चित्रकार व कई लोग उपस्थित थे।

छात्रावास में रहने वाली बालिकाओं से व्यवस्थाओं को लेकर फीडबैक लिया

आवासीय विद्यालय में अधिकारी गहनोलिया ने अध्यापन सम्बन्धित जानकारी भी ली

चूरू, (कासं)। कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में कक्षा 6 से 12 तक की बालिकाओं को पढ़ाने वाली मैडम द्वारा 'बालिकाओं' शब्द भी शुद्ध नहीं लिखा गया। यहां नव प्रवेक्षित बालिकाओं के स्वागत व पौधरोपण कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि समसा एडीपीसी सांवरमल गहनोलिया व कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही बागला बालिका विद्यालय की प्रधानाचार्य निर्मला गहलोत ने भी मोटे-मोटे अक्षरों में लिखे गए अशुद्ध शब्द को सही करवाने का काम नहीं किया। हालांकि समसा एडीपीसी सांवरमल गहनोलिया ने तो यहां फीडबैक भी लिया गया था। यह कैसा फीडबैक लिया है, वो ही जाने। हां, इतना जरूर है कि इससे इनकी सतर्कता की पोल खुल रही है।

कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में नव प्रवेक्षित बालिकाओं का स्वागत व पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

- **कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय चूरू में किया नव प्रवेशित बालिकाओं का स्वागत**

इस दौरान एडीपीसी गहनोलिया ने छात्राओं से छात्रावास में रहने, खाने-पीने व पढ़ाई से संबंधित अनेक व्यवस्थाओं का फीडबैक लिया। इस अवसर पर निर्मला गहलोत ने छात्राओं से वार्ता कर उनके अध्ययन व अध्यापन की जानकारी ली तथा छात्राओं को अध्ययन के प्रति प्रोत्साहित कर लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने की बात कही। अध्यापिका कृष्णा पचार ने छात्रावास में मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी देते हुये बताया कि यहां कक्षा 6 से 12 तक की बालिकाओं की नि:शुल्क आवासीय व्यवस्था है। पचार ने बताया कि छात्रावास में प्रवेश लेने वाली प्रत्येक छात्रा को 150 रुपये सरकार द्वारा दिये जाते हैं। एनआईओएस द्वारा सिलाई व ब्यूटी पार्लर का प्रशिक्षण, आत्मरक्षा प्रशिक्षण, शैक्षिक भ्रमण, खेल मैदान, इंडोर सुविधायें, बैडमिंटन, कबड्डी, खो-खो, किशोरी मेले का आयोजन, शिक्षा से वंचित बालिकाओं को स्कूल से जोड़ने, छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देकर उज्जवल भविष्य की तैयारी करवाना सहित अनेक सुविधायें उपलब्ध करवाई जाती हैं। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका विमला देवी ने आगंतुक अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में सुनीता दुलड़, तनुजा जड़िया, शबनम बानो, शुकेश कंवर, अनीता चौधरी, संतोष, अंजू पूनियां, चौकीदार मोहनलाल, कुबेर सिंह आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन कृष्णा पचार ने किया।

रींगस में देश का सबसे भव्य तोरण द्वार बनेगा

इस द्वार की लंबाई करीब 70 फीट होगी जो तीन पिलर पर बनेगा

रींगस, (निसं)। बाबा श्याम एवं भैरु नगरी के नाम से विख्यात रींगस शहर अब शीघ्र देश में धार्मिक पटल पर छाने वाला है। रींगस में देश का सबसे भव्य एवं बाबा श्याम का तोरण द्वार बनने जा रहा है जिसका भूमि पूजन 13 जुलाई गुरुवार सुबह 9:15 बजे स्थानीय विधायक एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री महादेव सिंह खंडेला के कर कमलों से एवं पंडितों के वैदिक मंत्रोचार के बीच किया जाएगा।

मंदिर कमेटी के गजेंद्र सिंह उर्फ बबलू एवं विक्रम सिंह चौहान ने बताया कि श्याम भक्तों एवं स्थानीय निवासियों द्वारा शहर के भैरुजी मोड़ पेट्रोल पंप के पास भारत का सबसे भव्य एवं दिव्य तोरण द्वार बनाया जा रहा है। इस द्वार की लंबाई करीब 70 फीट होगी जो तीन पिलर पर बनेगा।

इस दिव्य एवं भव्य तोरण द्वार में सबसे ऊपर भगवान विष्णु के वाहन गरुड़ जी मूर्ति के रूप में सुशोभित होंगे। मध्य भाग में राम भक्त हनुमान अपने मंगलमय रूप में भक्तों को दर्शन देंगे। जिनके पास ही रींगस के प्राचीन श्याम बाबा मंदिर का पूरा इतिहास अंकित होगा। वही दोनों तरफ भव्य शिखर होंगे जिनके ऊपर दिव्य कलश स्थापित किए जाएंगे। एवं सबसे ऊपर बाबा का प्रतीक श्याम निशान लगाया जाएगा। एवं तीनों पिलर पर पुरातन महत्व की बेजोड़ कलाकृति अंकित होगी। किरीट के रूप में बनने वाले इस तोरण द्वार के कुल 4 भाग होंगे जिसमें सबसे पहले द्वार फिर द्वार की छत छत के ऊपर भगवान हनुमान एवं उनके ऊपर भगवान गरुड़ होंगे। जिसे देखने के बाद कोई भी श्याम भक्त सेल्फी लिए बिना नहीं रह सकेगा।

- **सबसे ऊपर भगवान विष्णु के वाहन गरुडजी होंगे, श्याम मंदिर का इतिहास होगा अंकित**
- **गुरुवार को सुबह विधायक महादेव सिंह करेंगे भूमि पूजन**

एक तरह से यह श्याम जगत का सबसे बड़ा सेल्फी प्वाइंट बन जाएगा। इसमें सबसे बड़ी बात है कि इस भव्य तोरण द्वार के भूमि पूजन में क्षेत्र के प्रसिद्ध पंडितों को बुलाया गया है जिनके मंत्रोचार के साथ भूमि पूजन में पांच नदियों का जल, पांच चांदी की ईंटें एवं पंचधातु भी लगाई जाएगी। इस तोरण द्वार के डिजाइनर अनूप भरतिया है जो हाल ही में निर्मित चंबल रिवर एवं डब्ल्यूटीपी के डिज़ाइनर है। मंदिर कमेटी के अनुसार यह द्वार देवउठनी एकादशी तक बनकर तैयार हो जाएगा

श्याम सेवक महेंद्र सिंह एवं बबलू चौहान का कहना है कि इस भव्य एवं दिव्य तोरणद्वार के साक्षी बनने का एक दुर्लभ अवसर है जिसे सभी श्याम भक्तों को भुनाना चाहिए। तोरण द्वार के भूमि पूजन के अवसर पर सभी श्याम भक्त अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस दुर्लभ अवसर के स्वर्णिय चिर स्मरणीय साक्षी बने एवं रींगस शहर के लिए यह गौरवशाली पल बनाए। गजेंद्र सिंह एवं विक्रम सिंह चौहान ने बताया कि भूमि पूजन की सभी तैयारियां युद्ध स्तर पर पूरी कर ली गई है।

बिना टिकट यात्रा कर रहे 24 हज़ार यात्रियों से रेलवे ने एक करोड़ रुपए वसूल किए

जोधपुर, (कासं)। उत्तर-पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल पर टिकट चेकिंग स्टाफ ने बिना टिकट यात्रियों से लगातार दूसरे माह भी एक करोड़ से भी अधिक राजस्व वसूली की है। इससे पहले मई में भी जोधपुर मंडल पर बेटिकट यात्रियों से रेलवे ने एक करोड़ दस लाख रुपए का राजस्व वसूल किया था।

सीनियर डीसीएम विकास खेड़ा ने बताया कि डीआरएम पंकज कुमार सिंह के निर्देशानुसार जोधपुर मंडल पर चलाए जा रहे सघन टिकट जांच अभियान के दौरान जून में बिना टिकट, अनियमित यात्रा, बिना बुक सामान के साथ यात्रा सहित कुल 24 हजार 308 मामले पकड़े गए जिनसे रेलवे ने एक करोड़ 5 लाख 73 हजार 121 रुपए का उल्लेखनीय राजस्व वसूल किया है।

- **वहीं कचरा फैलाने पर 1135 यात्रियों से जुर्माना वसूला**

उन्होंने बताया कि टिकट चेकिंग स्टाफ को अलग-अलग समूह बनाकर विभिन्न रेल खंडों में सघन टिकट जांच के लिए भेजा गया व ट्रेनों में औचक जांच की गई। इसके अतिरिक्त जोधपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर भी सघन टिकट जांच की गई थी। खेड़ा ने बताया कि मई व जून में समर वेकेशन होने के कारण रेलवे को ट्रेनों में आशानुरूप ज्यादा ट्रैफिक मिला।

जोधपुर मंडल पर जून में टिकट जांच के दौरान बिना टिकट पाए गए 15 हजार 538 मामलों से किराया व जुर्माना सहित 68.33 लाख, अनियमित यात्रा के साढे सात हजार मामलों से 36.94 लाख व बिना बुक लगेज के 11 मामलों से 9 हजार 500 रुपए वसूल किए गए। गंदगी फैलाते 1135 यात्री भी पकड़े।

जोधपुर मंडल पर सघन टिकट जांच अभियान के दौरान ट्रेनों व प्लेटफॉर्म पर कचरा फैलाने पर 1135 यात्रियों से रेलवे ने 1.47 लाख रुपए तथा धूम्रपान करते पकड़े जाने पर 66 यात्रियों से 13 हजार 300 रुपए का जुर्माना वसूला। सभी रेल खंडों पर की सघन टिकट चेकिंग अभियान के दौरान मंडल के लूणी, समदड़ी,भीलड़ी, बाड़मेर, पाली, फलोदी, जैसलमेर, मेड़ता रोड, नागौर, बीकानेर, डेगाना, रतनगढ़ व फुलेरा सेक्शन में टिकट चेकिंग की गई जिससे उल्लेखनीय राजस्व वसूल करने में सफलता मिली।

बीकानेर में पारा 40 डिग्री सेल्सियस पहुंचा

बीकानेर, (निसं) यहां एक बार फिर तेज गर्मी शुरू हो गई है। दिन का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच गया है, वहीं रात में भी उमस के साथ बढ़ा हुआ पारा जनजीवन को प्रभावित कर रहा है। मौसम विभाग ने एक बार फिर बारिश की उम्मीद जताई है, ऐसे में लोग बारिश का इंतजार कर रहे हैं।

बीकानेर में पिछले दिनों तापमान 35 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था, लेकिन अब धीरे धीरे फिर बढ़ गया है। मौसम विभाग की माने तो 12 से 18 जुलाई के बीच बीकानेर संभाग में कहीं-कहीं बारिश होने की उम्मीद है। वहीं 17 और 18 जुलाई को ज्यादा तेज बारिश हो सकती है। बीकानेर शहर में बारिश के लिए मौसम विभाग ने कोई भविष्यवाणी नहीं की है, अलबत्ता ये कहा है कि 18 जुलाई तक बारिश नहीं होगी। अगर ऐसा होता है तो तापमान में बढ़ोतरी होना तय है। फिलहाल तापमान 40 डिग्री से ऊपर है, जो 18 जुलाई तक 44 के आसपास आ सकता है।

- **दोपहर में बाहर निकलना हुआ मुश्किल**

रात में भी बीकानेर में तीस डिग्री सेल्सियस तक पारा हो गया है। इसमें भी बढ़ोतरी की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल उमस और तेज धूप के चलते बीकानेर में जनजीवन काफी प्रभावित हो रहा है। दोपहर के समय सड़कों पर लोगों की आवाजाही कम हो गई है। वहीं, एसी के स्विच ऑन हो चुके हैं।